भोजपुरी में प्राकृत भाषा के तत्व

डॉ. अमित कुमार
प्राकृत एवं जैनशास्त्र विभाग
वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

आधुनिक भारतीय भाषाओं एवं बोलियो का विकास प्राकृत से ही हुआ है। अतः भोजपुरी में प्राकृत भाषा के अनेक शब्द प्राप्त होते हैं, जो भाषा विज्ञान एवं हेमचन्द्र के प्राकृत नियमों तथा अन्य साहित्य ग्रन्थों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं।

यथा प्राकृत में बैल के लिए बसह शब्द प्रयोग होता है, भोजपुरी में इसे वसहा कहते हैं।[1] कृष्ण शब्द के लिए प्राकृत में कण्ह एवं भोजपुरी में कान्हा शब्द का प्रयोग होता है।[2] वृद्ध शब्द के लिए प्राकृत में बुड्ढ एवं भोजपुरी में बुढा शब्द का प्रयोग होता है।[3] प्राहत में होता है एवं है। क्रमदीश्वर के अनुसार प्राकृत में चैत्र शब्द के लिए चइत शब्द का प्रयोग होता है एवं भोजपुरी में भी चइत शब्द का प्रयोग किया जाता है।[4] प्राकृत में भैरव शब्द के स्थान पर हेमचन्द्र, भामह एवं क्रमदीश्वर के अनुसार भइरव शब्द तथा भोजपुरी में भी भइरव शब्द का प्रयोग किया जाता है।[5] प्राकृत में प्रपौत्र शब्द के लिए पवोत्त शब्द का प्रयोग किया गया है एवं व का लोप करके त के स्वर का दीर्घ करके पोता शब्द भोजपुरी मे बनता है।[6] फाल्गुन शब्द का प्राकृत में फागुण हो जाता है[7], भोजपुरी में भी फागुन शब्द का प्रयोग होता है। दक्षिण शब्द के स्थान पर प्राकृत दाहिन शब्द बनता है,[8] भोजपुरी मे इसके स्थान पर दहिना शब्द का प्रयोग होता है। कही–कहीं प्राकृत में दक्षिण शब्द के स्थान पर दाखिण शब्द का प्रयोग किया जाता है।[9] भोजपुरी में दखिन शब्द का प्रयोग प्राप्त होता है। कुष्ठ शब्द के लिए प्राकृत में कोढ[10] एवं कष्टिन् शब्द के लिए कोढि[11] बनता है। भोजपुरी में भी कोढ एवं कोढि का प्रयोग किया जाता है। प्राकृत में स्वर्णकार शब्द के लिए सुण्णार[12] बना है एवं भोजपुरी में सोनार शब्द का प्रयोग होता है। पश्चात् शब्द के स्थान पर प्राकृत में पाछा[13] शब्द का प्रयोग तथा भोजपुरी में भी पाछा शब्द का प्रयोग प्राप्त होता है। पुत्र के स्थान पर प्राकृत में पुत्ता[14] भोजपुरी

---

1 हेम. 1/126

2 हेम. 2/110

3 वही 1/131

4 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 117

5 वही पृ. 117

6 वही पृ. 119

7 विवाह. 1426

8 हेम. 1/45

9 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 127

10 उवास.. 148

11 पण्हा. 523

12 गउड. 191

13 गउड.

14 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 136

Scanned with OKEN Scanner

में पुत एवं पुता दोनों प्रयोग होता है। प्राकृत में हृदय शब्द के लिए हिअड.ा[15] भोजपुरी में हिअरा शब्द प्राप्त होता है । अमावस्या के स्थान पर अर्धमागधी प्राकृत में अमावसा[16] होता है। भोजपुरी में अमवसा शब्द प्रयोग में विद्यमान है। प्राकृत में अभीर शब्द के लिए अहीर[17] शब्द का प्रयोग किया गया है। भोजपुरी में भी इस शब्द का प्रयोग निरंतरता में है। प्राकृत में काष्ठ शब्द के स्थान पर कट्ठ[18] एवं भोजपुरी में काठ शब्द का प्रयोग किया जाता है। क्षेत्र का महाराष्ट्री में खेत्त[19] होता है एवं भोजपुरी में खेत शब्द का प्रयोग प्राप्त होता है। शनैश्चर शब्द के स्थान पर प्राकृत में शणिंचर[20] शब्द एवं भोजपुरी ने शनिचर शब्द का प्रयोग किया, जाता है। प्राकृत में मांस शब्द के स्थान पर मास[21] शब्द का प्रयोग किया जाता है, भोजपुरी में भी मास शब्द का प्रयोग किया जाता है। कूष्माण्ड शब्द के स्थान पर प्राकृत में कोहण्ड[22] एवं भोजपुरी में कोहड.ा शब्द का प्रयोग किया जाता है। त्रीणि शब्द का प्राकृत में तिण्णि[23] एवं भोजपुरी में तीन बनता है। लक्ष्मण शब्द का प्राकृत में लक्खण[24] एवं भोजपुरी में लखन शब्द बनता है। श्मशान शब्द का मसाण[25] शब्द प्राकृत मे एवं भोजपुरी मे मसान शब्द बनता है। अधस्तात् शब्द का प्राकृत में हेट्ठा[26] एवं भोजपुरी में हेठा शब्द बनता है। हरिद्रा शब्द का प्राकृत में कहीं पर हलिद्दा एवं हलद्दी[27] का प्रयोग होता है तथा भोजपुरी में हलदी शब्द का प्रयोग किया जाता है। प्राकृत में वृश्चिक शब्द का विंछिअ[28], विंछुअ शब्द तथा भोजपुरी में विछि शब्द प्रयोग किया जाता है। बिल्व शब्द का प्राकृत में बेल्ल[29] एवं भोजपुरी में बेल शब्द प्रयोग में है। त्रयोदश शब्द का पाकृत में तेरह[30] एवं भोजपुरी में भी तेरह शब्द बनता है। त्रयोविंशति शब्द के स्थान पर प्राकृत में तेइस[31] एवं भोजपुरी मे भी तेइस शब्द बनता है। पुष्कर शब्द के स्थान पर प्राकृत में पोक्खर[32] एवं भोजपुरी में पोखरा शब्द प्रचलित है। नारिकेल शब्द के स्थान पर णारिएल शब्द एवं देशी में णालिअर[33] शब्द बनता है एवं भोजपुरी में प्रयोग में नरियर शब्द है। मातृष्वसृका के स्थान पर प्राकृत में माउसिया[34] एवं भोजपुरी में मउसी शब्द का प्रयोग किया जाता है। पितृस्वसा के स्थान पर प्राकृत में पुप्फा एवं पुप्फिआ[35]

---

15 हेम. 4/357,422

16 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 151

17 वही 153

18 मृच्छ. 30

19 हेम. 2/17

20 ठाणंग. 82

21 हेम. 1/29

22 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 166

23 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 170

24 वही पृ. 180

25 हेम. 2/86

26 समवायांग 101

27 हेम. 1/88

28 हेम. 2/16

29 हेम. 1/85

30 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 170

31 वही पृ. 208

32 मृच्छ. 2/16

33 देशी. 2/10

34 हेम. 1/134

35 देशी. 6/52

Scanned with OKEN Scanner

एवं भोजपुरी मे फुआ शब्द बनता है। भ्रातृजाया का प्राकृत में भाउज्जा[36] एवं भोजपुरी में भउजी प्रयोग होता है। शिथिल शब्द का प्राकृत में ढिल्ला[37] एवं भोजपुरी में ढिला शब्द का प्रयोग होता है। हृदय शब्द के स्थान पर प्राकृत में हिय[38] एवं भोजपुरी में हिअ शब्द बनता है। भवति का होइ[39] प्राकृत में एवं भोजपुरी में भी होइ शब्द बनता है। उपाध्याय शब्द का प्राकृत में ओज्झाओं[40] रूप मिलता है एवं भोजपुरी में ओझा शब्द प्रयोग में है। चतुर्विंशति के स्थान पर प्राकृत में चउवीसह[41] एवं भोजपुरी में चौबीस प्रयोग में है। चतुश्चत्वारिंशत के स्थान पर प्राकृत में चउआलीसा[42] एवं भोजपुरी में चउआलीस प्राप्त होता. हैं। चतुस्त्रिंशत् के स्थान पर प्राकृत में चोतीस एवं भोजपुरी में चउत्तीस बनता है।[43] चतुर्दश का प्राकृत मे चउद्दह[44] एवं भोजपुरी में चउदह बनता है। अंधकार शब्द का प्राकृत में अंधारो[45] एवं भोजपुरी में आंहार प्रयोगित है। लोहकार शब्द के स्थान पर प्राकृत में लोहार[46] भोजपुरी मे भी लोहार शब्द बनता है। चर्मकार शब्द का प्राकृत में चम्मारअ[47] भोजपुरी में चमार शब्द का प्रयोग किया जाता है। काष्ठ शब्द का प्राकृत में कट्ठ[48] एवं भोजपुरी में काठ होता है। भगिनी शब्द के स्थान पर प्राकृत में बहिनी[49] एवं भोजपुरी में बहिन या बहिनी बनता है। प्राकृत में आषाढ शब्द का आषाढ[50] एवं भोजपुरी में आसाढ शब्द बनता है। प्राकृत में दुग्ध शब्द का दुद्ध[51] एवं भोजपुरी में दुध शब्द बनता है। प्राकृत में षट्त्रिंशत् शब्द का छत्तीस[52] या छत्तीसा एवं भोजपुरी में छतीस रूप बनता है। षट्पञ्चाशत के स्थान पर प्राकृत में छप्पण[53] भोजपुरी में छपन प्रयोग में है। पञ्चत्रिंशत् के स्थान पर प्राकृत में पणतीस[54] एवं भोजपुरी में पैंतीस रूप बनता है। प्राकृत में सर्व के स्थान पर सव्व[55] एवं भोजपुरी में सब रूप बनता है। प्राकृत में ताम्र शब्द का तम्ब[56] रूप होता है एवं भोजपुरी मे तामा प्रयोग में विद्यमान है। पश्चिम शब्द का प्राकृत में पच्छिम[57] एवं भोजपुरी में पछिम रूप

---

36 वही पृ. 6/103

37 कर्पूर. 8,5

38 आयार. 1/1/2/5

39 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 243

40 हेम. 1/173

41 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 258

42 वही

43 वही

44 वही

45 हेम. 4/349

46 जीवा. 293

47 मृच्छ. 104,19

48 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 290

49 हेम. 2/126

50 आयार0 2/15

51 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 387

52 वही

53 वही

54 वही पृ0 –391

55 वही 409

56 सूय0 282

57 मृच्छ0 126, 7

Scanned with OKEN Scanner

प्रचलित है। स्तम्भ शब्द के स्थान पर प्राकृत में खम्भ[58] एवं भोजपुरी में खम्भा शब्द बनता है। प्राकृत में प्रस्तर के स्थान पर पत्थर[59] भोजपुरी में पत्थर शब्द बनता है। हस्त शब्द का प्राकृत हत्थ[60] एवं भोजपुरी मे हाथ शब्द बनता है। क्षरति शब्द का प्राकृत में झरई[61] एवं भोजपुरी में झरता बनाता है। जिह्वा का प्राकृत में जिब्भा[62] एवं भोजपुरी में जिभ बनता है। मत्स्य शब्द को प्राकृत में मच्छ[63] एवं भोजपुरी में मच्छरी शब्द बनता है। ज्योत्सना का प्राकृत में जोण्हा[64] एवं एवं भोजपुरी में जोन्ही रुप बनता है मस्तक के स्थान पर प्राकृत में मत्थए[65] एवं भोजपुरी में माथा शब्द बनता है। प्राकृत में गृहे शब्द का घरहिं[66] भोजपुरी मे घरहिं शब्द प्रयोग में विद्यमान है। भर्ता शब्द का प्राकृत में भत्तार[67] एवं भोजपुरी में भतार शब्द प्रयोग मे है। प्राकृत में त्वं शब्द के स्थान पर तु एवं तुहुँ[68] शब्द एवं भोजपुरी में भी तु एवं तुहुँ का प्रयोग होता है। प्राकृत में अर्द्धतृतीय के स्थान पर अढाइज्ज[69] एवं भोजपुरी में अढाई प्रयोग मे है। प्राकृत में गर्तक शब्द के लिए गड.हा[70] एवं भोजपुरी में भी गड.हा शब्द बनता है। प्राकृत में लुञ्च शब्द के स्थान पर लुक्क[71] एवं भोजपुरी में लुकाइल शब्द प्रयोग मे है। प्राकृत में मध्य शब्द के स्थान पर मज्झिल्ल[72] एवं भोजपुरी में माज्झिल शब्द प्रयुक्त होता है।

इस शोधालेख में यथासंभव भोजपुरी में विद्यमान् प्राकृत शब्दों को यथासंभव प्रकाशित करने का प्रयास किया गया है।

---

58 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 434

59 वही पृ0 –436

60 वही

61 हेम. 4/173

62 हेम. 2/57

63 सूय0 282

64 हेम. 2/75

65 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 524

66 वही पृ0 –526

67 वही पृ0 –564

68 वही पृ0 –615

69 नन्दी –198

70 प्राकृत भाषाओं का व्या. पृ. 806

71 वही पृ0 –808

72 ठाणांग वही पृ0 –615

Scanned with OKEN Scanner